प्रधानमंत्री धन धान्य कृषक योजना

उत्तर प्रदेश राज्य रिपोर्ट

IYC-2025

दिनांक: 11 अक्टूबर 2025 | स्थान: लखनऊ, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय शुभारंभ

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा उद्घाटन

NASC कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली से राष्ट्रव्यापी लाइव प्रसारण

- PMDDKY योजना का शुभारंभ
- दलहन मिशन की शुरुआत
- किसान-केंद्रित योजनाओं का विमोचन

1.93L

किसानों की भागीदारी उ.प्र. में

PMKSK केंद्रों, M-PACS और FPO स्थानों पर लाइव स्क्रीनिंग

उत्तर प्रदेश के लिए समर्पित योजनाएं

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसानों को समर्पित नई सुविधाएं

457

नए बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (M-PACS)

1,864

डेयरी सहकारी समितियां

58

मत्स्य पालन सहकारी समितियां

22

सामान्य सेवा केंद्र (CSCs)

1,242

प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (PMKSKs)

एकीकृत तकनीकी सलाह, उर्वरक आपूर्ति और सेवा सुविधाएं प्रदान करने वाली पहल

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

कृषि भवन, लखनऊ में लाइव स्क्रीनिंग

श्री सूर्य प्रताप शाही जी

माननीय कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश

श्री जे.पी.एस. राठौर जी

माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता, उ.प्र.

श्री रवींद्र

प्रमुख सचिव (कृषि), उत्तर प्रदेश शासन

श्री सौरभ बाबू

प्रमुख सचिव (सहकारिता), उत्तर प्रदेश शासन

श्री योगेश कुमार

आयुक्त एवं निबंधक (सहकारिता), उत्तर प्रदेश

सहकारी संस्थानों के प्रतिनिधि, किसान और मीडिया कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

राष्ट्रीय मान्यता

उत्तर प्रदेश को गौरव

> क्षेत्रीय सहकारी समिति लिमिटेड, शिवर (अलीगढ़) को माननीय प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र

CSC पहल के तहत उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

AIF लाभार्थी प्रतिनिधि

- डॉ. कामिनी सिंह - JVKS बायोएनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड
- श्री अलीम खान - एरोनिक्स कंसल्टोरिया प्राइवेट लिमिटेड

नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यक्रम में भागीदारी

सहकारिता की उपलब्धियां

सहकार से समृद्धि दृष्टिकोण के तहत प्रगति

1

634 नए M-PACS

वित्त वर्ष 2025-26 में पंजीकृत

- 438 सक्रिय
- 360 ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया में

2

डिजिटल सरलीकरण

www.society.uphq.in पोर्टल के माध्यम से

M-PACS गठन प्रक्रिया को सुगम बनाया गया

3

₹9,500 करोड़

फसल ऋण वितरित

13 लाख से अधिक किसानों को लाभ

4

49/50 बैंक लाभदायक

जिला सहकारी बैंकों का प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2024-25 में

भविष्य की दिशा

ऐतिहासिक मील का पत्थर

> "PMDDKY का शुभारंभ कृषि और सहकारिता के एकीकृत विकास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।"
>
> - श्री जे.पी.एस. राठौर, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता, उ.प्र.

प्रतिबद्धता: उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के प्रत्येक किसान तक इस पहल के लाभ पहुंचाने के लिए पूर्णतः समर्पित है

आत्मनिर्भर भारत की नींव

- सहकारिता को मजबूत आधार के रूप में स्थापित करना
- समावेशी और सतत ग्रामीण समृद्धि सुनिश्चित करना
- सभी जिलों में सफल लाइव स्ट्रीमिंग
- जमीनी स्तर पर व्यापक पहुंच

फोटो गैलेरी:- State Level

फोटो गैलेरी:- District Level

FPO haldaur bijnaur Member
participation 115 Male-96,Female-19

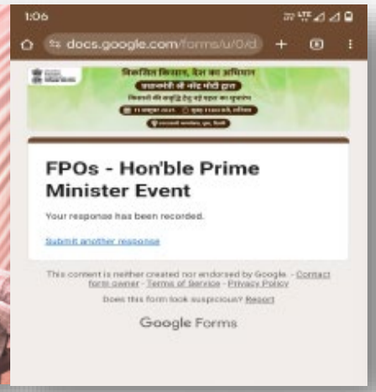

मीडिया गैलेरी:-

धन-धान्य कृषि योजना यूपी के 12 जिलों में शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना शुरू की जा रही है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से 2.35 लाख किसान जुड़े हैं और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत छह फसलों के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। 40 से अधिक जिलों में कलस्टर बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में योजनाओं का शुभारंभ किया और कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जुड़े। राजधानी स्थित कृषि निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में 15 किसानों को सम्मानित करते

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शनिवार को यूपी में योजना की शुरुआत की।

हुए उन्हें तिलहन की मिनीकिट दी गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि योजना में महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, जालौन, झांसी, ललितपुर, उन्नाव, प्रयागराज, प्रतापगढ़, श्रावस्ती और सोनभद्र शामिल हैं।

समिति को डिजिटल बना चमकाया नाम, पीएम से मिला सम्मान

सुरजीत पुंढीर • जागरण

- देश में एकमात्र सहकारी सचिव, जिन्होंने एमपैक्स अभियान में बेहतर काम से पाया सम्मान
- 200 सदस्य जोड़े, समिति के बहुउद्देशीय बनाकर ग्रामीणों को दे रहे योजनाओं का लाभ

अलीगढ : नया करने की जिद ठान लीजिए। जमीन पर जुट जाइए फिर मंजिल हवा में नहीं हाथ में होती है। जिले के शिवाला गांव की सहकारी समिति के सचिव विनोद कुमार की इसी रणनीति ने उन्हें एक जीत दिलाई है। उन्होंने सहकारी समिति को डिजिटल बनाने और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ने का संकल्प पूरा किया। जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमकाया। इस कार्य के लिए शनिवार को उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों सम्मान मिला। दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में इन्हें बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण समिति (एमपैक्स) से नए सदस्य जोड़ने के अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दिया। यह सम्मान जिले के सहकारिता विभाग में पहली बार किसी कर्मचारी-अधिकारी को मिला है।

शिवाला गांव निवासी विनोद कुमार 2009 में सहकारी समिति के सचिव बने, तभी से कुछ अलग करने में लगे हुए थे। उस समय समिति के कुल सात सौ सदस्य थे, जिसमें केवल चार सौ सक्रिय थे, उन्हीं को सदस्य रहने दिया। बाद नए आठ सौ सदस्यों को जोड़कर समिति की सदस्य संख्या 1,200 तक पहुंचा दी। सदस्यता बढ़ाने के साथ समिति की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का निर्णय लिया। इसके लिए डिजिटल पर समिति के पूरे कार्य को ले गए। केंद्र सरकार ने सहकारी समितियों की योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए 12 सितंबर से अभियान प्रारंभ किया। इसी महीने इनकी समिति को कामन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में मान्यता मिल गई। अब सदस्यों को खाद-बीज के साथ ही आयुष्मान, पेंशन, बैंकिंग, बीमा, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सरकारी योजनाओं के आनलाइन आवेदन भी यहां से शुरू कर दिए। इसका लाभ यह भी रहा कि सदस्य बनने वालों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी। समिति से दो सौ नए सदस्य जोड़ जिले में 1400 सदस्य वाली समिति का रिकार्ड कायम किया। नए सदस्य बनाने में आनलाइन आवेदन से लेकर शुल्क जमा करने तक की पूरी प्रक्रिया समिति से ही पूरी होती है।

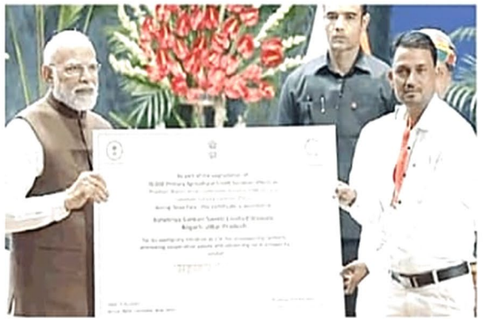

शनिवार को दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में जिले के शिवाला गाव की सहकारी समिति के सचिव विनोद कुमार को प्रशस्ति पत्र देते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी • सौ. स्वागत

कार्यक्रम में छाया रहा अलीगढ़ का नाम

विनोद को शुक्रवार शाम को विभागीय अधिकारियों का फोन आया कि उन्हें दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसधान संस्थान में प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। वे देर रात ही दिल्ली रवाना हुए। शनिवार सुबह जब कार्यक्रम में उनका नाम सर्वाधिक सदस्य बनाने वालों में पुकारा तो सभागार तालियों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री ने मंच पर उन्हें प्रशस्ति पत्र सौंपा। बेहतर काम को प्रेरित किया।

मेरे लिए सपने जैसा पल

सम्मान पाकर लौटे विनोद कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री से प्रशस्ति पत्र मिलना उनके लिए सपने जैसा था। शुक्रवार तक इसकी कल्पना भी नहीं की थी। एम पैक्स अभियान में पूरे देश से सिर्फ उन्हें ही यह अवसर मिला। यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि समिति से जुड़े सभी सदस्य व जिले के लोगों का है।

> पीएम से सम्मान मिलना जिले के लिए गौरव की बात है। सहकारिता विभाग मुख्यालय से ही सचिव विनोद कुमार का चयन किया गया था।
>
> - नागेंद्र पाल सिंह, सहायक निबंधक, सहकारिता विभाग, अलीगढ

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

सहकारिता विभाग उत्तर प्रदेश
संघे शक्ति सर्वदा

मीडिया गैलेरी:-

ीएम धन-धान्य कृषि योजना का शुभारम्भ

खनऊ (एसएनबी)। कृषि विज्ञान ेन्द्र, धौरा में पीएम धन-धान्य कृषि योजना ेे शुभारम्भ का सजीव प्रसारण व एक वसीय कृषक गोष्ठी का किया गया।

शनिवार को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि ोजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के ुभारम्भ एवं कृषि अवसंरचना कोष, शुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य संस्करण क्षेत्र की 1100 से अधिक रियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास धानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान रिसर, पूसा, नई दिल्ली में किया, जिसका जीव प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र, धौरा, न्नाव में किया गया।

इस मौके पर लगभग 280 कृषक एवं ृषक महिलाएं उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि े रूप में मोहान उन्नाव के विधायक बृजेश ावत ने प्रतिभाग किया। साथ ही उप-मुख्य चिकित्साधिकारी, उन्नाव एवं सिद्दीकी, कृषि विज्ञान केन्द्र के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व उपमहाधिवक्ता उ.प्र सरकार रमेश कुमार सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष श्री मोहित कुमार सिंह उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अर्चना सिंह एवं शान्तनु सिंह ने कार्यक्रम के अन्तर्गत दिल्ली में प्रतिभाग किया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन अटारी, कानुपर में भी किया गया, जिसमें उन्नाव जनपद के 60 प्रगतिशील कृषकों ने प्रतिभाग किया, जिसके समन्वक रमेश चन्द्र मौर्या रहे। कार्यक्रम के बाद विधायक श्री रावत ने समूहबद्ध अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत कुछ चयनित प्रगतिशील किसानों को सरसों की पीएम 32 प्रजाति का बीज प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (एमयूआईटी) के कृषि डीन डा. धीरज यादव एवं डा. अंकित सिंह यादव के साथ बीएससी कृषि अन्तिम वर्ष के 55 छात्रों के साथ कृषक गोष्ठी में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के डा. एके सिंह, रत्ना सहाय, डा. डीके तिवारी, सुनील सिंह, डा. जय कुमार यादव, अनुभव सिंह आदि स्टॉफ उपस्थित रहे।

प्रदेश के 12 जिलों में लागू होगी पीएम धन-धान्य कृषि योजना

अमर उजाला ब्यूरो

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दी जानकारी, कहा- कम लागत में ज्यादा उत्पादन का तरीका सीखेंगे किसान

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर शनिवार को शुरू की गई प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का प्रदेश के 12 जिलों में संचालन होगा। योजना में किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन का तरीका सिखाया जाएगा। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 42 हजार करोड़ की कृषि परियोजनाओं के शुभारंभ कार्यक्रम में शाही लखनऊ से वर्चुअल जुड़े थे। सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर भी वर्चुअल जुड़े।

कृषि भवन में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शाही ने प्रदेश के 15 किसानों को सम्मानित किया और मिनीकिट दी। तिलहन तथा फसल बीमा योजना, जैविक खेती करने वाले पांच किसानों को प्रमाणपत्र दिया। शाही ने कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा किसानों से अपील की कि वे पीएम धन धान्य योजना को शत-प्रतिशत साकार करने में सहयोग करें। कृषि मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत प्रदेश के 318 ब्लॉकों में 1886 क्लस्टरों के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अब तक 2.35 लाख किसान इससे जुड़े हैं। प्रमुख दलहनी फसलों अरहर, उर्द, मसूर, चना,

इन जिलों में लागू होगी योजना

शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि

योजना महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, जालौन, झांसी, ललितपुर, उन्नाव, प्रयागराज, प्रतापगढ़, श्रावस्ती और सोनभद्र में लागू होगी।

1242 पीएम किसान केंद्र भी शुरू

प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

जेपीएस राठौर ने बताया कि 58 मत्स्य सहकारी समितियां तथा 22 कॉमन सर्विस सेंटर और 1242 प्रधानमंत्री किसान सेवा केंद्रों का भी शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यूरिया, डीएपी, तथा एमएसपी उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। रबी फसलों के लिए उपयोगी किसी भी उर्वरक की कमी नहीं होगी। 457 नई प्राथमिक कृषि साख समितियों का गठन किया गया है।

मटर और मूंग के लिए क्लस्टर आधारित कार्ययोजना तैयार की गई है।

धन्यवाद